महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय

एक परिचय

भारत नेपाल सीमा पर स्थित बहराइच जनपद शिक्षा के क्षेत्र में काफी पिछड़ा है। बालिका– शिक्षा की इस महती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए तारा महिला शिक्षा समिति के तत्कालीन अध्यक्ष/ जिलाधिकारी माननीय एस0 एन0 शुक्ल, स्वर्गीय बैरिस्टर बलबीर सिंह एवं जनपद के प्रबुद्ध नागरिको के अथक प्रयास से महिला महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1973 में तारा महिला इण्टर कालेज में उपलब्ध दो कमरों में की गई।

संकल्प के धनी श्री मनहरन नाथ कौल के सत्प्रयासों के चलते 1986 में महाविद्यालय का वर्तमान भवन जिले के प्रतिष्ठित व्यवसाइयों एवं प्रबुद्ध नागरिकों के सहयोग से तैयार हुआ। तब से महिला महाविद्यालय जनपद ही नही अपितु मण्डल स्तर पर महिला शिक्षा की अग्रणी संस्था के रूप में ज्ञान के आलोक को फैला रहा है।

महिला महाविद्यालय को 26 फरवरी 1977 को उत्तर प्रदेश के तत्कालीन महामहिम राज्यपाल महोदय से स्थायी सम्बद्धता प्राप्त हुई और उसी वक्त 1 नवम्बर 1977 को शासन की अनुदान सूची में सम्मिलित कर लिया गया। यह महाविद्यालय डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या से सम्बद्ध है।

महिला महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला संकाय के 8 विषयों हिन्दी, संस्कृत, उर्दू, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, मध्यकालीन इतिहास एवं संगीत गायन में स्थायी सम्बद्धता प्राप्त हैं।

परास्नातक स्तर पर हिन्दी, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र एवं मध्य कालीन इतिहास विषय की स्थायी सम्बद्धता तथा स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय की स्थायी सम्बद्धता स्ववित्त पोषित योजना के अन्तर्गत मिली हुई है।

लम्बे अर्से तक महाविद्यालय के सचिव पद पर अपना योगदान करने वाले श्री मनहरन नाथ कौल के आकस्मिक निधन के पश्चात् दिसम्बर 2000 से श्री मदनलाल अग्रवाल ने सचिव पद के उत्तरदायित्वों का निर्वहन किया माह जनवरी, 2020 में श्री मदन लाल अग्रवाल के त्यागपत्र देने के उपरान्त श्री श्यामकरन टेकड़ीवाल सर्वसम्मति से महाविद्यालय के सचिव पद के उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। अध्यक्ष, प्रबन्ध समिति, जिलाधिकारी महोदय के निर्देशों में सीमित संसाधनों के बीच शिक्षण कक्षों की कमी एवं छात्राओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए पांच नये शिक्षण कक्षों तथा एक नयी सुसज्जित प्रयोगशाला का नये फर्नीचर सहित निर्माण कराया गया। विगत वर्षो में मुख्य द्वार एवं प्रशासनिक भवन का निर्माण कराया गया एवं इस वर्ष दो नये शिक्षण कक्षों का भी निर्माण कराया गया है। निकट भविष्य में पुस्तकालय के लिए अतिरिक्त कक्ष एवं कान्फ्रेन्स हाल का निर्माण प्रस्तावित है।

वर्तमान सत्र में एक कैन्टीन एवं साईकिल/स्कूटी स्टैण्ड छात्राओं की सुविधा के लिये निर्मित किये गये है, तथा छात्राओं के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल के लिये प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र एवं जिम की व्यवस्था की गयी है।

वर्तमान में महाविद्यालय में लगभग 2000 छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रही है। छात्राओं को उच्चशिक्षा प्रदान करने की प्राचार्या एवं दक्ष प्राध्यापिकाएं उनमें अनुशासन, सहयोग एवं चारित्रिक विकास के सुसंस्कार प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयत्नशील है। निर्धन परिवार की छात्राओं के लिए आर्थिक सहायता तथा बुक–बैंक द्वारा पुस्तकीय सुविधा प्रदान किये जाने का प्रावधान है।

हमारे महाविद्यालय की छात्राओं का क्रीड़ा– स्पर्धाओं सांस्कृतिक एवं साहित्यिक आयोजनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है। अन्तरविश्वविद्यालय बॉस्केटबाल, हाकी, वॉलीबाल एवं हैण्डबॉल, फुटबॉल, ताइक्वान्डो प्रतियोगिता आदि में छात्राओं की महत्वपूर्ण सहभागिता रहती है।

महाविद्यालय के यश–विस्तार में प्रबन्ध समिति के कार्यकारणी सम्मानित पदाधिकारियों व सदस्यों, प्राचार्या, शिक्षक, शिक्षिकाओं, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों तथा छात्राओं का सराहनीय योगदान निरन्तर रहा है। ये सभी अपने सतत् परिश्रम से महाविद्यालय के उन्नयन में अहर्निश प्रयासरत हैं। यह महाविद्यालय बालिका शिक्षा में उत्तर प्रदेश के नक्शे में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने और बालिकाओं के चहुँमुखी विकास के लिए सदैव तत्पर है।

राष्ट्रीय कौशल विकास योजना के अन्तर्गत चलाए जा रहे रोजगार परक पाठ्यक्रमों–कम्प्यूटर कोर्स तथा फैशन डिजाइन कोर्स के लिए लैब का निर्माण हो चुका है।

श्यामकरन टेकड़ीवाल
सचिव
प्रबन्ध समिति
महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बहराइच

प्राचार्या लेखनी

''त्मसो मा ज्योतिर्गमय्'' इस मूलमंत्र से अनुप्राणित एवं ''विद्या धर्मेण शोभते'' के संकल्प से संकल्पित यह महाविद्यालय उत्कृष्ट उच्च शिक्षा के प्रति अहर्निश समर्पित है। छात्राओं का स्वर्णिम भविष्य बनाना, उनके संस्कारों में निखार लाना, उनकी प्रज्ञा को प्रखर करना, व्यक्तित्व का विकास, मानवीय मूल्यों का विकास करना और उन्हें सफलता के उच्चतम सोपान पर चढ़ाने हेतु प्रेरित करना, यह हमारा पुनीत कर्तव्य है । विद्यालयीय शिक्षा प्राप्ति के पश्चात्, जब छात्राएं महाविद्यालय शिक्षा में प्रवेश लेती है तो निश्चित ही दैदीप्यमान मोतियों एवं सीपियों को संकलित कर जीवन में आगे बढ़ने की कोशिश करती है। कन्या शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण हमारा उद्देश्य है। नेपोलियन ने कहा था – ''तुम मुझे अच्छी माता दो मैं तुम्हें अच्छा राष्ट्र दूँगा।'' छात्रायें मासूमियत, इंसानियत एवं इनायत की खूबसूरत मिसाल पेश करती हैं । कभी माँ सरस्वती का रूप धारण कर शिक्षा की अविरल धारा प्रवाहित करती हैं तो कभी माँ दुर्गा का रूप धारण कर तूफानों से टकराती हैं और भागीरथ प्रयास के द्वारा गंगा को पृथ्वी पर ले आती हैं।

मुझे गर्व है कि यहाँ के प्रबुद्ध प्राध्यापकगण ऐसी छात्राओं को पुष्पित, पल्लवित कर, समाज और राष्ट्र सेवा के लिए तैयार करते हैं। प्राध्यापकों के समर्पण एवं लगनता से यह महाविद्यालय निरन्तर प्रगति के सोपान पर अग्रसर हो रहा है।

सन् 1973 में एक बीजारोपण हुआ था जो प्रस्फुटित होकर सफलता की गगनचुंबी ऊँचाइयों को प्राप्त कर रहा है। स्नातक से स्नातकोत्तर एवं बी0एस0सी0 तक की यह ज्ञान धारा सतत् प्रवाहित हो रही है। छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए यहाँ समृद्ध ग्रंथालय, क्रीड़ा तथा खेल कूद के लिए हॉल, साथ ही संस्कार और संस्कृति तथा बहुमुखी प्रतिभा को निखारने के लिए विशाल ऑडिटोरियम है। महाविद्यालय की अधोसंरचना छात्राओं की प्रगति हेतु अनुकूल है। महाविद्यालय प्रांगण नगर के मध्य स्थापित होते हुए भी प्रदूषण रहित तथा पूर्ण रूप से फलदार, फूलदार वृक्षों से आच्छादित है। महाविद्यालय का वातावरण सुखमय तथा सौहार्दपूर्ण है।

हमारी छात्रायें जो महाविद्यालय की शान हैं, उनका मौलिक चिन्तन समाज के लिए एक मिसाल है। ये छात्रायें हमारी धरोहर हैं। यही हमारी पहचान हैं । इन्हीं उद्देश्यों की प्रतिपूर्ति में, पूरा महाद्यिालय परिवार संलग्न होकर, आशान्वित है कि शिक्षा को सर्वसुलभ, रोजगारोन्मुख, सर्वोपयोगी बनाये जाने के लिए हमारा मानवीय चिंतन गतिमान है। मेरा ऐसा विश्वास है कि शिक्षा की प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करके मैं अपनी परिकल्पना को पूर्णता प्रदान कर सकती हूँ । ईश्वर मेरे इस उद्देश्य में मेरा मार्गदर्शन करे व महाविद्यालय उज्ज्वल शैक्षिक वातावरण बनाने के सपने को साकार स्वरूप प्रदान करे ।

इन्ही शुभकामनाओं के साथ ।

प्रो0 डॉ0 प्रिया मुखर्जी
प्राचार्या
महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बहराइच

प्रबन्ध समिति सदस्यों की सूची

1.	**जिलाधिकारी, बहराइच**	अध्यक्ष पदेन
2.	**श्री परमेश कुमार अग्रवाल**	उपाध्यक्ष
3.	**श्री श्यामकरन टेकड़ीवाल**	सचिव
4.	**श्री संतोष कुमार अग्रवाल**	संयुक्त सचिव
5.	**श्री रवि कोठारी**	कोषाध्यक्ष
6.	**मुख्य विकास अधिकारी, बहराइच**	सदस्य
7.	**नगर मजिस्ट्रेट, बहराइच**	सदस्य
8.	**मुख्य चिकित्साधिकारी, बहराइच**	सदस्य
9.	**जिला विद्यालय निरीक्षक, बहराइच**	सदस्य
10.	**अध्यक्ष, जिला परिषद, बहराइच**	सदस्य
11.	**अध्यक्ष, बार एसोसियेशन, बहराइच**	सदस्य
12.	**श्री आरिफ मोहम्मद खान (पूर्व ऊर्जा मंत्री)**	विशेष सदस्य
13.	**श्री आदर्श कुमार अग्रवाल**	सदस्य
14.	**श्री अजय कुमार अग्रवाल**	सदस्य
15.	**प्रो0 डॉ0 प्रिया मुखर्जी (प्राचार्या, महिला महाविद्यालय, बहराइच)**	सदस्य
16.	**कु0 आकांक्षा पटेल (प्रवक्ता समाजशास्त्र, महिला महाविद्यालय, बहराइच)**	शैक्षिक सदस्य
17.	**श्रीमती दया कुमारी (प्रवक्ता शिक्षाशास्त्र, महिला महाविद्यालय, बहराइच)**	शैक्षिक सदस्य
18.	**श्री जगराम मौर्य - (पुस्तकालय लिपिक)**	शिक्षणेत्तर सदस्य

महाविद्यालय में कार्यरत

स्थाई शिक्षक :

1.	प्रो0 (डॉ0) प्रिया मुखर्जी	प्राचार्या	
2.	डॉ0 (श्रीमती) अंजलि अग्रवाल	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	समाजशास्त्र
3.	डॉ0 अमृता मिश्रा	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संगीत
4.	डॉ0 (श्रीमती) अंकिता सिंह	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	म0का0 इतिहास
5.	श्रीमती ज्योति त्रिपाठी	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्कृत
6.	डॉ0 रीमा शुक्ला	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	हिन्दी
7.	श्रीमती सायरा खातून	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	उर्दू
8.	डॉ0 यासमीन फातिमा	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	उर्दू
9.	डॉ0 प्रियंका श्रीवास्तव	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	हिन्दी
10.	डॉ0 सीमा यादव	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	समाजशास्त्र
11.	कु0 मधुबाला	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	समाजशास्त्र
12.	कु0 आकांक्षा पटेल	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	समाजशास्त्र
13.	श्रीमती दया कुमारी	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
14.	श्रीमती गरिमा राय	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
15.	डॉ0 सरिता यादव	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	हिन्दी
16.	कु0 मनीषा गुप्ता	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	समाजशास्त्र
17.	श्रीमती निधिमल्ल	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
18.	कु0 रूही	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ0 कमर जहाँ	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	उर्दू
20.	श्रीमती प्रीती यादव	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अंग्रेजी

संविदा शिक्षक :

:1.	डॉ0 कलीम अहमद	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रसायन विज्ञान
2.	डॉ0 उमेश प्रताप सिंह	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	वनस्पति विज्ञान
3.	डॉ0 (श्रीमती) मनीषा खन्ना	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	समाजशास्त्र
4.	डॉ0 संजय पाल सिंह	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	समाजशास्त्र
5.	डॉ0 रीता शुक्ला	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	हिन्दी
6.	डॉ0 श्याम कुमार चौधरी	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ0 सिद्धेश्वर नारायण उपाध्याय	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मध्य0 इतिहास
8.	डॉ0 लक्ष्मीकान्त त्रिपाठी	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	गणित
9.	श्री अरविन्द कुमार मिश्रा	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	भौतिक विज्ञान
10.	कु0 अलवीरा खान	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	जन्तु विज्ञान
11.	कु0 फरहीन सिद्दीकी	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	जन्तु विज्ञान

स्थाई शिक्षणेत्तर कर्मचारी :

1. श्री राजेशपाल रावत	कार्यालय अधीक्षक
2. पद रिक्त	सहायक लेखाकार
3. श्री वासिफ खान	आशुलिपिक
4. श्री नीरज कुमार पाल	पुस्तकालय लिपिक
5. पद रिक्त	सामान्य लिपिक
6. श्री रविकान्त कश्यप	तबला संगतकार
7. श्री जगराम मौर्य	पुस्तकालय लिपिक
8. श्री इरफान अली	दफ्तरी
9. श्री राजेश कुमार	स्वीपर

कार्यालय/प्रयोगशाला सहायक :

1. श्री राम गोपाल पाठक	कार्यालय सहायक
2. श्री अतुल रावत	कम्प्यूटर सहायक
3. श्री कमल मिश्रा	प्रयोगशाला सहायक
4. श्रीमती तनवीर फात्मा	कार्यालय सहायक
5. श्रीमती छाया देवी	कम्प्यूटर सहायक
6. श्री अयोध्या प्रसाद मिश्रा	प्रयोगशाला अनुचर
7. श्री नवीन कश्यप	कार्यालय सहायक
8. श्री सुखदेव प्रसाद पाठक	गेट कीपर
9. श्री विजय कुमार	पुस्तकालय अनुचर
10. श्री राजकुमार यादव	अनुचर
11. श्री आनन्द कुमार त्रिवेदी	चौकीदार
12. श्री राजन जायसवाल	अनुचर

नई शिक्षा नीति से सम्बन्धित प्रकोष्ठ/समिति एवं सदस्यगण

अनुशासन समिति :–
1. डॉ0 अमृता मिश्रा – प्रभारी
2. डॉ0 अंजलि अग्रवाल – उप प्रभारी

प्रवेश समिति :–
1. डॉ0 अंजलि अग्रवाल – प्रभारी
2. डॉ0 अमृता मिश्रा – उप प्रभारी

छात्रवृत्ति समिति :– अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक वर्ग को छोड़कर)
1. प्रो0 (डॉ0) प्रिया मुखर्जी (प्राचार्या) – अध्यक्ष
2. डॉ0 सीमा यादव – प्रभारी
3. कु0 आकांक्षा पटेल – सदस्य

अल्पसंख्यक वर्ग :–
1. प्रो0 (डॉ0) प्रिया मुखर्जी (प्राचार्या) – अध्यक्ष
2. श्रीमती सायरा खातून – प्रभारी

सामान्य वर्ग :–
1. प्रो0 (डॉ0) प्रिया मुखर्जी (प्राचार्या) – अध्यक्ष
2. डॉ0 अमृता मिश्रा – प्रभारी

अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग :–
1. प्रो0 (डॉ0) प्रिया मुखर्जी (प्राचार्या) – अध्यक्ष
2. श्रीमती दया कुमारी – प्रभारी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रकोष्ठ :–
1. डॉ0 सीमा यादव – प्रभारी
2. कु0 मधुबाला

परीक्षा समिति :–
1. श्रीमती ज्योति त्रिपाठी – प्रभारी
2. डॉ0 मनीषा खन्ना – उप प्रभारी

पुस्तकालय वाचनालय एवं पत्रिका समिति :–
1. डॉ0 यासमीन फातिमा – प्रभारी
2. डॉ0 संजय पाल सिंह – उप प्रभारी

क्रीड़ा समिति :–
1. डॉ0 सीमा यादव – प्रभारी
2. कु0 मनीषा गुप्ता – उप प्रभारी

सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परिषद :–
1. डॉ0 अमृता मिश्रा – प्रभारी
2. डॉ0 रीमा शुक्ला – उप प्रभारी

निर्धन छात्रा सहायता परिषद :–
1. श्रीमती गरिमा राय – प्रभारी
2. श्रीमती ज्योति त्रिपाठी – उप प्रभारी

बालिका हेल्थ क्लब :–
1. डॉ0 अंकिता सिंह – प्रभारी
2. श्रीमती गरिमा राय – उप प्रभारी

शिक्षक, अभिभावक एवं पुरातन छात्रा समिति :–
1. डॉ0 यू0पी0 सिंह – प्रभारी
2. डॉ0 श्याम कुमार चौधरी – उप प्रभारी

सामाजिक कार्य चारित्रिक विकास व जन जागरूकता समिति
1. डॉ0 एस0एन0 उपाध्याय – प्रभारी
2. डॉ0 अंकिता सिंह – उप प्रभारी

स्वच्छता समिति :–
1. कु0 मधुबाला – प्रभारी
2. डॉ0 अंकिता सिंह – उप प्रभारी

यौन उत्पीड़न एवं एंटी रैगिंग एवं छात्रा शिकायत प्रकोष्ठः
1. डॉ0 मनीषा खन्ना – प्रभारी
2. डॉ0 अंजलि अग्रवाल

आई0क्यू0ए0सी0 सेल :–
1. श्रीमती ज्योति त्रिपाठी – प्रभारी
2. डॉ0 अमृता मिश्रा – उप प्रभारी

समय सारणी, अवकाश व कैलेन्डर समिति :–
1. डॉ0 रीमा शुक्ला – प्रभारी
2. डॉ0 अमृता मिश्रा – उप प्रभारी

भौतिक सत्यापन समिति :–
1. कु0 आकांक्षा पटेल – प्रभारी
2. डॉ0 अंकिता सिंह – उप प्रभारी

मीडिया समिति :–
1. कु0 प्रियंका श्रीवास्तव – प्रभारी
2. डॉ0 सरिता यादव – उप प्रभारी

ABACUS
1. डॉ0 यासमीन फातिमा – प्रभारी

आजादी का अमृत महोत्सव
1. डॉ0 अमृता मिश्रा – प्रभारी

मिशन शक्ति :–
1. डॉ0 रीमा शुक्ला – प्रभारी

अन्तर्राष्ट्रीय योगा दिवस :–
1. डॉ0 सीमा यादव – प्रभारी

सड़क सुरक्षा अभियान :–
1. कु0 आकांक्षा पटेल – प्रभारी

वृक्षारोपण अभियान :–
डॉ0 संजय पाल सिंह – प्रभारी

समारोह समिति :–
1. डॉ0 अंजलि अग्रवाल – प्रभारी
2. डॉ0 सीमा यादव – उप प्रभारी

राष्ट्रीय सेवा योजना :–
1. डॉ0 रीमा शुक्ला – कार्यक्रम अधिकारी

प्रवेश नियमावली

स्नातक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश की इच्छुक छात्राओं के लिए महाविद्यालय कार्यालय से प्रवेश आवेदन–पत्र प्राप्त कर प्रविष्टियों के साथ निर्धारित तिथि के भीतर कार्यालय में जमा करना आवश्यक होगा।

बी0ए0 प्रथम वर्ष के प्रवेश फार्म के साथ निम्नलिखित संलग्नकों को लगाना अनिवार्य होगा अन्यथा प्रवेश आवेदन पत्र स्वीकृत नहीं किया जायेगा।

1. इण्टरमीडिएट तथा हाईस्कूल अंकपत्र (अंक पत्र छायाप्रति)
2. हाईस्कूल प्रमाण पत्र (छायाप्रति)
3. अन्य जनपद की (टी0सी0) जिला विद्यालय निरीक्षक से प्रमाणित होने पर ही मान्य होगी।
4. चरित्र प्रमाण पत्र मूल रूप में तथा फोटो।
5. प्रवेश के समय टी0सी0 मूल रूप मे जमा करना अनिवार्य होगा।
6. आधार कार्ड की छायाप्रति (आधार कार्ड के सभी विवरण सही होने चाहिये व जनपद बहराइच के सरकारी बैंक का खाता संख्या)
7. विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन भरे गये यू0आई0एन की प्रति ।

नोट :– आवेदन पत्र जमा करते समय उपरोक्त कक्षाओं के अंक पत्रों एवं प्रमाण पत्रों की मूल प्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

स्नातक प्रथम वर्ष (प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर) में प्रवेश से सम्बन्धित नियमावली

1. उत्तर प्रदेश के समस्त राज्य निजी विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्राविधानों के आलोक में उत्तर प्रदेश शासन के पत्र संख्या 1065/सत्तर–2021–16 (260)/2011 में प्रदान किये गये निर्देशों को शैक्षिक सत्र 2021–22 से विश्वविद्यालय के समस्त स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेशिका स्तर (प्रथम सेमेस्टर) से क्रियान्वित किया जाता है।
2. NEP – 2020 से संबंधित उच्च शिक्षा परिषद द्वारा निर्देशित यह नए नियम सत्र 2021–22 से स्नातक स्तर पर प्रवेशित प्रथम वर्ष के छात्रों पर ही लागू होंगे। इसके अतिरिक्त **स्नातक व परास्नातक के शेष समस्त पाठ्यक्रमों में सत्र 2021–22 तक प्रवेशित छात्रों पर उनके उपाधि प्राप्त करने तक यह नए नियम लागू नही होंगे ।**

स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश, निकास व पुनः प्रवेश से संबंधित प्रक्रिया –

विद्यार्थी को एक वर्ष (दो सेमेस्टर) पूर्ण करने पर सर्टिफिकेट इन फैकल्टी (Certificate in faculty) के साथ निकास की सुविधा उपलब्ध होगी ।

दो वर्ष (चार सेमेस्टर) पूर्ण करने पर डिप्लोमा इन फैक्ल्टी (Diploma in faculty) के साथ निकास की सुविधा उपलब्ध होगी ।

विद्यार्थी को निर्गत सर्टिफिकेट अथवा डिप्लोमा पर उसके द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त रोजगार परक (Vocational) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का स्पष्ट उल्लेख किया जायेगा ।

विद्यार्थी को तीन वर्ष (छः सेमेस्टर) पूर्ण करने पर ही डिग्री प्राप्त होगी (Bachelor in faculty)

महाविद्यालय में प्राध्यापित विषयों का चयन :–

महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर प्राध्यापित निम्नलिखित विषयों में से विश्वविद्यालय के नियमानुसार किन्हीं तीन विषयों का चयन करना होगा।

कला संकाय (स्नातक स्तर)

बी0ए0

ग्रुप ए – साहित्य : हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत एवं उर्दू

ग्रुप बी – प्रायोगिकः संगीत, (गायन) शिक्षाशास्त्र

ग्रुप सी – सामाजिक अध्ययनः समाजशास्त्र, मध्यकालीन इतिहास

नोट :– तीन मेजर विषयों के अतिरिक्त एक माइनर विषय का चयन उपरोक्त विषयों से करना अनिवार्य है ।

1. प्रत्येक विद्यार्थी को स्नातक स्तर पर प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में तीन विषयों का चयन करना होगा।
2. प्रत्येक विद्यार्थी उपर्युक्त समूह में किसी समूह से अधिकतम दो विषयों का चयन कर सकता है।
3. किसी एक समूह से तीन विषयों का चयन नहीं किया जा सकता।
4. दो से अधिक साहित्य/भाषा विषयों का चयन नहीं किया जा सकता।
5. प्राचीन इतिहास तथा मध्य कालीन एवं आधुनिक इतिहास विषयों का चयन एक साथ नहीं किया जा सकता।
6. समाजशास्त्र विषय के साथ समाजकार्य विषय का चयन नही किया जा सकता।
7. उर्दू एवं संस्कृत में से किसी एक ही विषय/भाषा का चयन किया जा सकता है।
8. संगीत एवं शिक्षाशास्त्र में से किसी एक ही विषय का चयन किया जा सकता है।
9. प्रवेश के समय चुने गए विषयों में पुनः कोई परिवर्तन अनुमन्य नही होगा।
10. व्यक्तिगत अभ्यर्थी प्रायोगिक विषयों का चयन नही कर कर सकते है।

विज्ञान संकाय (स्नातक स्तर)

बी0एस0सी0

बायोलॉजी ग्रुप	**मैथ ग्रुप**
1. वनस्पति विज्ञान	1. भौतिक विज्ञान
2. प्राणि विज्ञान	2. रसायन विज्ञान
3. रसायन विज्ञान	3. गणित

प्रयोगशाला

महाविद्यालय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, प्राणिविज्ञान तथा वनस्पति विज्ञान की प्रयोगशाला में समस्त उपकरण उपलब्ध हैं तथा प्रयोगात्मक कार्य नियमित रूप से कराया जाता है।

प्रत्येक छात्र को प्रथम छह सेमेस्टर के प्रत्येक सेमेस्टर में एक सह – पाठ्यगामी (Co-curricular) विषय अनिवार्य है।

अनिवार्य सहगामी पाठ्यक्रम (Co-curricular)

1. प्रथम सेमेस्टर – संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास
   (Communication skill and personality development)

2. द्वितीय सेमेस्टर – विश्लेषणात्मक योग्यता एवं डिजिटल अवेयरनेस
   (Analytic ability and Digital awareness)

3. तृतीय सेमेस्टर – शारीरिक शिक्षा एवं योग
   (Physical Education + Yoga)

4. चतुर्थ सेमेस्टर – मानव मूल्य एवं पर्यावरण अध्ययन
   (Human values and environmental studies)

5. पंचम सेमेस्टर – खाद्य, पोषण एवं स्वच्छता
   (Food Nutrition and Hygiene)

6. षष्ठम सेमेस्टर – प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
   (First Aid and Health)

प्रत्येक छात्रा को प्रथम चार सेमेस्टर के प्रत्येक सेमेस्टर में एक रोजगार –परक (Vocational) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम लेना अनिवार्य होगा ।

वोकेशनल विषय

कौशल विकास प्रशिक्षण के अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों की सूची –

1- Fashion Designing 2- Beutician

कला संकाय (स्नातकोत्तर स्तर)

एम0 ए0

1. हिन्दी 2. समाज शास्त्र 3. शिक्षाशास्त्र 4. मध्यकालीन इतिहास

महाविद्यालय परिधान

अनुशासन एवं सामाजिक समरसता को दृष्टिगत रखते हुए महाविद्यालय में समान परिधान (यूनीफार्म) की व्यवस्था लागू है, जिसके अनुपालन में अध्ययन करने वाली सभी छात्राओं को निर्धारित परिधान (यूनीफार्म) में आना अनिवार्य है। विवरण निम्नवत् है।

1. हल्के गुलाबी रंग का कॉलरदार कुर्ता 2. सफेद सलवार तथा सफेद दुपट्टा (सूती कपड़े का)
   अथवा हल्की गुलाबी साड़ी तथा सफेद ब्लाउज
3. शीतकाल में मैंरून कलर का ब्लेजर या कार्डिगन।

नियम निर्देश एवम् अनुशासन

महाविद्यालय की प्रत्येक छात्रा के लिए अधोलिखित नियमों एवम् निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा।

1. सम्बन्धित विषयों की कोई भी कक्षा छोड़कर महाविद्यालय परिसर से बाहर जाना निषिद्ध होगा।
2. प्रत्येक विषय के व्याख्यान में 75% उपस्थिति अनिवार्य है इससे कम उपस्थिति होने पर छात्रा को विश्वविद्यालय परीक्षा देने से रोक दिया जायेगा।
3. कक्षाओं का परिवर्तन करते समय अथवा दूसरी शिक्षण कक्षाओं के समय बरामदे में या आस–पास शोर करना वर्जित होगा।
4. निर्धारित समय पर कक्षा में उपस्थित रहना तथा अनुशासन बनाये रखना प्रत्येक छात्रा के लिए अनिवार्य है। प्रवेश के समय लिए गये विषयों को परिवर्तित नहीं किया जायेगा तथा वि0वि0 प्रवेश आवेदन पत्र में भरे गए विषय ही मान्य होंगे जिसमें महाविद्यालय परिवर्तन नहीं कर सकता है।
5. छात्राओं को चाहिये कि वे कालेज नोटिस बोर्ड का अवलोकन नियमित रूप से किया करें जिससे उनको सम्बन्धित जानकारी प्राप्त होती रहेगी।
6. **महाविद्यालय परिसर में मोबाइल का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है, उल्लंघन करने वाली छात्रा का मोबाइल जब्त कर लिया जायेगा।**

छात्रा का नाम कटना

1. महाविद्यालय के नियमों का उल्लंघन करने अथवा अनुशासन भंग करने पर।
2. बिना सूचना के निरन्तर 15 दिन तक कालेज में अनुपस्थित रहने पर।
3. परीक्षा में अनुचित–साधन प्रयोग करने पर नाम कटने के साथ छात्रा की टी0सी0 में प्रतिकूल प्रविष्टि की जायेगी।
4. विश्वविद्यालय परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर।
5. सम्बन्धित विषयों की कक्षायें बिना अनुमति लिए छोड़ने पर।

अध्ययन/अध्यापन, अनुशासन तथा परीक्षा शिक्षालयों के मूल तत्व हैं। अनुशासनबद्ध होकर अध्ययन एवं अध्यापन की निरन्तरता तथा परीक्षा की पवित्रता को अक्षुण बनाए रखना ही महाविद्यालय परिवार का पुनीत कर्तव्य है। उपर्युक्त लक्ष्य से भटकना सामाजिक बुराई व अपराध ही नहीं, अपितु विद्या के प्रति विश्वास, अनुशासन के प्रति अनुराग, चरित्र के प्रति चेतनता और नैतिकता के प्रति निष्ठा को नष्ट करने का अभिशाप होगा।

छात्रवृत्ति नियम

4. (1) अनुसूचित जाति/अनु0 जनजाति/पिछड़ी एवं सामान्य वर्ग की छात्राओं को शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा के अन्दर आय एवम् जाति प्रमाण–पत्र के साथ छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति आवेदन पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। आधार कार्ड की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।

5. (1) अनु0/पिछड़ी जाति की छात्राओं को छात्रवृत्ति शासन द्वारा निर्दिष्ट नियमों के अन्तर्गत प्रदान की जायेगी। छात्रवृत्ति आवेदन पत्र आनलाइन भरे जाते हैं।

(2) अनु0/पिछड़ी जाति/सामान्य एवं अल्पसंख्यक छात्राओं को शासन द्वारा निर्धारित आय के अन्तर्गत छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी। छात्रवृत्ति आवेदन पत्र आनलाइन भरे जाते हैं।

पुस्तकालय नियम

1. पुस्तकालय पत्रक पर पुस्तक 30 दिन के लिए निर्गत की जायेगी।
2. पुस्तक को देय तिथि तक वापस न करने पर 1 रु0 प्रतिदिन की दर से विलम्ब दण्ड देय होगा।
3. पुस्तक के पृष्ठ फाड़ना, चित्र निकालना अथवा किसी प्रकार की हानि पहुँचाना वर्जित होगा।
4. संदर्भ ग्रन्थ जैसे शब्द कोश, विश्व कोश आदि पुस्तकालय से निर्गत नहीं किया जायेगा।
5. पत्र–पत्रिकायें छात्रायें वाचनालय में पढ़ सकती हैं उन्हें घर ले जाने का प्रावधान नहीं है।

महाविद्यालय पत्रिका (शब्दाजंलि)

1. पत्रिका का मुख्य उद्देश्य छात्राओं की रचनात्मक एवम् भावात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना है।
2. पत्रिका हेतु छात्रायें अपना आलेख, कहानी, कविता आदि निर्धारित समय के भीतर जमा कर सकती हैं।
3. छात्राओं के पुरस्कृत आलेख एवम् अन्य रचनायें भी पत्रिका में छपती है।
4. विभिन्न अवसरों पर आयोजित सांस्कृतिक, खेलकूद एवम् अन्य कार्यक्रमों के चित्र पत्रिका में उपलब्ध हैं।

पुरातन छात्रा समिति

1. महिला महाविद्यालय, बहराइच का पुरातन छात्रा परिषद का गठन किया गया है। जिसके अन्तर्गत प्रतिवर्ष पुरातन छात्रा समागम का आयोजन किया जाता है। जिसमें पुरातन छात्राओं को एक दूसरे से मिलने का अवसर प्रदान किया जाता है।

छात्रवृत्ति एवम् रजत पदक

1. स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को **सचिव** महोदय द्वारा प्रतिवर्ष सम्मानित किया जाता है।
2. आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की छात्राओं को प्रतिवर्ष जिलाधिकारी महोदय के कर कमलों द्वारा ब्लेजर या अन्य ऊनी वस्त्रों वितरित किया जाता है।
3. खेलकूद, वाद, विवाद, भाषण व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को स्वर्ण, रजत व कास्य पदक से सम्मानित किया जाता है।

जिमनेजियम हाल

महाविद्यालय में जिमनेजियम हाल की व्यवस्था है जिसमें छात्राओं को व्यायाम की उचित व्यवस्था दी गयी है।

पाठ्येत्तर क्रिया-कलाप

1. खेलकूद में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को अन्तरमहाविद्यालयीय एवम् विश्वविद्यालयीय स्तर पर प्रतियोगिता में भाग लेने पर प्रमाण–पत्र एवम् पुरस्कार प्रदान किया जाता है।
2. साहित्यिक एवम् सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में विशेष स्थान प्राप्त करने पर छात्रायें पुरस्कृत एवम् सम्मानित की जाती हैं।

शुल्क सम्बन्धी निर्देश

1. शासनादेश सं0 676/15–11–87–3 (11) 87 दि0 9.7.1987 के अनुसार महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाली छात्राओं से पूरे वर्ष का शुल्क एक साथ लिया जायेगा।

   शुल्क संरचना सम्बन्धी विश्वविद्यालय की अधिसूचना सं0 अ0 वि0/शैक्षि0/ 1244/1999 दिनांक 18/22–7–1992 के क्रम में वित्त समिति की बैठक दिनांक 30–7–2003 में लिये गये निर्णय के उपरान्त शासनादेश संख्या : 3045/70–4/2003–46 (50)/99 दिनांक 03–11–2003 के पश्चात दिनांक 15–7–2004 एवं दिनांक 25–7–2004 में लिये गये निर्णयानुसार शैक्षिक सत्र 2004–2005 से सहायता प्राप्त सम्बद्ध महाविद्यालयों के लिए संशोधित शुल्क का विवरण ।

जो नर आत्मदान से अपना जीवन-घट भरता है,
वही मृत्यु के मुख में भी पड़कर न कभी मरता है।
जहाँ कही है ज्योति जगत में, जहाँ कही उजियाला,
वहाँ खड़ा है कोई अन्तिम मोल चुकाने वाला।

–दिनकर

महाविद्यालय में जमा किये जाने वाले शुल्क का विवरण

शुल्क का विवरण

1.	बी0ए0 प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर	–	1305/–
	प्रायोगिक विषय के साथ	–	1545/–
2.	बी0ए0 तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर	–	1275/–
	प्रायोगिक विषय के साथ	–	1515/–
3.	बी0ए0 पंचम एवं षष्टम सेमेस्टर	–	865/–
	प्रायोगिक विषय के साथ	–	1065/–
4.	बी0एस0सी0 प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर	–	3650/–
5.	बी0एस0सी0 तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर	–	3650/–
6.	बी0एस0सी0 पंचम एवं षष्टम सेमेस्टर	–	3150/–
7.	एम0ए0 प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर	–	4250/–
8.	एम0ए0 तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर	–	1250/–
	प्रत्येक कक्षाओं हेतु बिल्डिंग डोनेशन	–	500/–

नोट : परीक्षा आवेदन पत्र भरते समय परीक्षा शुल्क छात्रा द्वारा स्वयं भरा जाएगा ।

नोट : शासन के ओदशानुसार शुल्क में परिवर्तन सम्भव है ।

महत्वपूर्ण निर्देश

- ☞ प्रास्पेक्टस पंजीकरण फार्म एवं प्रवेश आवेदन–पत्र कालेज के अतिरिक्त किसी और स्थान से न खरीदें।
- ☞ आवेदन पत्र भरने के पूर्व निर्देशों को बहुत ध्यानपूर्वक पढ़े।
- ☞ केवल एक श्रेणी (Category) भरें। प्रवेश में आरक्षण सम्बन्धी लाभ के लिए पंजीकरण फार्म के साथ ही संदर्भित प्रमाण पत्रों की सत्यापित छायाप्रतियां संलग्न करना आवश्यक है। कार्यालय में आवेदन–पत्र अंतिम रूप से जमा होने के बाद कोई अन्य प्रपत्र व संलग्नक स्वीकार्य नहीं होगा।
- ☞ आरक्षित वर्ग में छात्रवृत्ति प्राप्त करने हेतु अर्ह छात्राएं प्रवेश प्राप्ति के पश्चात अपना छात्रवृत्ति आवेदन पत्र आनलाइन निर्धारित तिथि के अन्दर भरें। इस हेतु अधिक जानकारी के लिए सम्बन्धित काउन्टर से सम्पर्क कर सकती हैं। छात्राओं द्वारा विलम्ब से आवेदन पत्र जमा करने पर छात्रवृत्ति प्राप्त न होने का उत्तरदायित्व छात्रा का होगा।
- ☞ अपने आवेदन–पत्र को डाक व कोरियर द्वारा न भेजें। आवेदन–पत्र स्वयं छात्रा द्वारा व्यक्तिगत रूप से महाविद्यालय के कार्यालय में जमा करें तथा संलग्न की छाया प्रतियों का सत्यापन मूल प्रतियों से करायें।
- ☞ यदि आपका चयन हो जाता है तो जिस दिन आपको शुल्क जमा करने हेतु बुलाया गया है उसी दिन प्रवेश ले लें अन्यथा आप प्रवेश से वंचित कर दी जायेंगी।
- ☞ महाविद्यालय में प्रवेश लेने के उपरान्त अधिकतम एक सप्ताह में यदि छात्रा कक्षाओं में अपना नाम नहीं लिखवाती है तो उसका प्रवेश स्वतः निरस्त समझा जाएगा।
- ☞ उक्त छात्रा किसी भी दशा में विश्वविद्यालयीय परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सकती जिसका पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित छात्रा का होगा। कक्षाओं में 75% उपस्थिति अनिवार्य है।

डॉ0 अमृता मिश्रा
मुख्य शास्ता

प्रो0 डॉ0 प्रिया मुखर्जी
प्राचार्या
महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
बहराइच

मनुष्य का सच्चा जीवन साथी विद्या ही है, जिसके कारण वह विद्वान कहलाता है।
–स्वामी दयानन्द

मनुष्य अपने गुणो से आगे बढ़ता है न कि दूसरों की कृपा से।
– लाला लाजपत राय

महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बहराइच

अकादमिक कार्य योजना

सत्र : 2023–2024

क्र0 सं0	तिथि	दिन	दिवस/त्योहार	प्रवक्ता/त्योहार	विषय
1	03 जुलाई	सोमवार	नव सत्रारम्भ	समस्त विभाग	नवीन छात्रा प्रवेश
2	08 जुलाई	शनिवार	स्मार्ट क्लास	डॉ0 संजय पाल सिंह	पी0टी0टी0
3	11 जुलाई	मंगलवार	विश्व जनसंख्या दिवस	डॉ0 अंजलि अग्रवाल	पी0टी0टी0
4	15 जुलाई	शनिवार	स्मार्ट क्लास	श्रीमती गरिमा राय	पी0टी0टी0
5	22 जुलाई	शनिवार	स्मार्ट क्लास	श्रीमती सायरा खातून	पी0टी0टी0
6	29 जुलाई	शनिवार	मोहर्रम	अवकाश	–
7	01 अगस्त	मंगलवार	कक्षा प्रारम्भ	समस्त विभाग	प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर
8	05 अगस्त	शनिवार	स्मार्ट क्लास	श्रीमती प्रीति यादव	पी0टी0टी0
9	08 अगस्त	मंगलवार	भारत छोड़ो आन्दोलन	एन0एस0एस0	एक दिवसीय शिविर
10	12 अगस्त	शनिवार	स्मार्ट क्लास	डॉ0 लक्ष्मी कान्त त्रिपाठी	पी0टी0टी0
11	15 अगस्त	मंगलवार	स्वतंत्रता दिवस	समस्त विभाग	–
12	19 अगस्त	शनिवार	स्मार्ट क्लास	कु0 प्रियंका श्रीवास्तव	पी0टी0टी0
13	26 अगस्त	शनिवार	स्मार्ट क्लास	डॉ0 सीमा यादव	पी0टी0टी0
14	31 अगस्त	बृहस्पतिवार	रक्षाबन्धन	अवकाश	–
15	01 से 07 सितम्बर	शुक्रवार से बृहस्पतिवार	पोषण सप्ताह	डॉ0 अंकिता सिंह	पोषण जागरूकता कार्यक्रम
16	05 सितम्बर	मंगलवार	शिक्षक दिवस	महाविद्यालय प्रशासन द्वारा	सम्मान समारोह
17	06 एवं 07 सितम्बर	बुधवार से बृहस्पतिवार	जन्माष्टमी	अवकाश	–
18	08 सितम्बर	शुक्रवार	अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस	एन0एस0एस0	एक दिवसीय शिविर
19	09 सितम्बर	शनिवार	कक्षा प्रतिनिधि चुनाव कार्यक्रम	समस्त विभाग	छात्राओं का नैतत्व सशक्तिकरण
20	14 सितम्बर	बृहस्पतिवार	हिन्दी दिवस	डॉ0 रीमा शुक्ला	पी0टी0टी0
21	16 सितम्बर	शनिवार	ओजोन दिवस	विज्ञान विभाग	पर्यावरण संरक्षण
22	23 सितम्बर	शनिवार	स्मार्ट क्लास	श्रीमती दया कुमारी	पी0टी0टी0

23	28 सितम्बर	बृहस्पतिवार	वारावफात	अवकाश	–
24	30 सितम्बर	शनिवार	स्मार्ट क्लास	डॉ0 अमृता मिश्रा	पी0पी0टी0
25	02 अक्टूबर	सोमवार	गाँधी जयन्ती	समस्त विभाग	–
26	02 से 07 अक्टूबर	सोमवार से शनिवार	मिड-टर्म टेस्ट	समस्त विभाग	सेशनल परीक्षा
27	09 अक्टूबर	सोमवार	वाल्मीकि जयंती	श्रीमती ज्योति त्रिपाठी	कार्यक्रम
28	11 अक्टूबर	शनिवार	अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस	डॉ0 रीता शुक्ला	पी0पी0टी0
29	23 व 24 अक्टूबर	सोमवार से मंगलवार	दशहरा	अवकाश	–
30	31 अक्टूबर	मंगलवार	एकता दिवस	एन0एस0एस0	एक दिवसीय शिविर
31	11 से 15 नवम्बर	शनिवार से बुधवार	दीपावली	अवकाश	–
32	16 नवम्बर	बृहस्पतिवार	वीरांगना ऊदा देवी	डॉ0 सिद्धेश्वर उपाध्याय	पी0पी0टी0
33	20 नवम्बर	सोमवार	छठ पूजा	अवकाश	–
34	25 नवम्बर	शनिवार	स्मार्ट क्लास	डॉ0 यासमीन फातिमा	पी0पी0टी0
35	27 नवम्बर	सोमवार	गुरूनानक जयंती	अवकाश	–
36	01 दिसम्बर	शुक्रवार	एड्स दिवस	एन0एन0एस0	एक दिवसीय शिविर
37	02 दिसम्बर	शनिवार	स्मार्ट क्लास	कु0 रूही	पी0पी0टी0
38	02 से 07 दिसम्बर	शनिवार से बृहस्पतिवार	मिड-टर्म टेस्ट	समस्त विभाग	सेशनल परीक्षा
39	19 दिसम्बर	मंगलवार	चौ0 चरण सिंह जयंती	डॉ0 श्याम कुमार चौधरी	पी0पी0टी0
40	21 से 23 दिसम्बर	बृहस्पतिवार से शनिवार	निर्धन छात्रा दिवस	समस्त विभाग	निर्धन छात्रा सहायता कार्यक्रम
41	25 दिसम्बर	सोमवार	अवकाश	क्रिसमस डे	–
42	25 दिसम्बर से 01 जनवरी	सोमवार से सोमवार	शीतकालीन अवकाश	सेमसेस्टर ब्रेक	–
43	12 जनवरी	शुक्रवार	युवा दिवस	डॉ0 सीमा यादव	कार्यक्रम
44	11 से 17 जनवरी	बृहस्पतिवार से बुधवार	सड़क सुरक्षा सप्ताह	कु0 आकांक्षा पटेल	प्रतियोगिता
45	20 से 25 जनवरी	शनिवार से बृहस्पतिवार	खेल सप्ताह एवं मतदाता जागरूकता दिवस	डॉ0 सीमा यादव एन0एस0एस0	प्रतियोगिता एवं एक दिवसीय शिविर
46	23 जनवरी	मंगलवार	नेताजी सुभाष चन्द्र जयन्ती	डॉ0 मनीषा खन्ना	पी0पी0टी0
47	26 जनवरी	शुक्रवार	गणतन्त्र दिवस	समस्त विभाग	–

48	29 जनवरी	सोमवार	कक्षा प्रारम्भ	समस्त विभाग	द्वितीय, चतुर्थ एवं चतुर्थ सेमेस्टर
49	02 फरवरी	शुक्रवार	वेटलैंड (आर्द्र भूमि) दिवस	वनस्पति विज्ञान संकाय	पी0पी0टी0
50	14 फरवरी	बुधवार	बसंत पंचमी/सुहेल देव जयंती	डॉ0 सरिता यादव	पी0पी0टी0
51	25 फरवरी से 02 मार्च तक	रविवार से शनिवार	सप्त दिवसीय विशेष शिविर	एन0एस0एस0 प्रभारी	–
52	04 मार्च	सोमवार	सांस्कृतिक कार्यक्रम	सांस्कृतिक प्रभारी	प्रतियोगिता
53	07 मार्च	बृहस्पतिवार	वार्षिकोत्सव	समस्त विभाग	नाट्य मंचन
54	11 से 15 मार्च	सोमवार से शुक्रवार	रेंजर्स प्रशिक्षण शिविर	रेंजर्स प्रभारी	पाँच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर
55	16 मार्च	शनिवार	स्मार्ट क्लास	कु0 मनीषा गुप्ता	पी0पी0टी0
56	23 मार्च	शनिवार	शहीद दिवस	डॉ0 कमर जहाँ	पी0पी0टी0
57	01 से 06 अप्रैल	सोमवार से शनिवार	मिड-टर्म-टेस्ट	समस्त विभाग	सेशनल परीक्षा
58	10 अप्रैल	बुधवार	आर्य समाज स्थापना दिवस	कु0 मधुबाला	पी0पी0टी0
59	20 अप्रैल	शनिवार	स्मार्ट क्लास	श्रीमती निधि मल्ल	पी0पी0टी0
60	27 अप्रैल	शनिवार	ब्यूटीशियन डिस्प्ले	वोकेशनल	प्रदर्शनी
61	04 मई	शनिवार	फैशन डिजाइन डिस्प्ले	वोकेशनल	प्रदर्शनी
62	20 से 24 मई	सोमवार से शुक्रवार	मिड-टर्म-टेस्ट	समस्त विभाग	सेशनल परीक्षा
63	25 मई	शनिवार	विदाई समारोह	अन्तिम वर्ष छात्रओं सम्बन्धित	–

महाविद्यालय की शिक्षिकाएं/गुरूजनगण

इस विवरणिका में जहाँ छात्र/छात्राओं के लिए महाविद्यालय के सनियम एवं प्रबंधन के कार्यों का उल्लेख किया गया है वहीं आवश्यक है कि शिक्षिकाओं के कार्यों का भी उल्लेख छात्रा के हित में किया जाय यों तो अध्यापक अपने उत्तरदायित्वों के प्रति, युवकों के चरित्र निर्माण, ज्ञान, बौद्धिक स्वतंत्रता और सामाजिक प्रगति को अग्रसर करने के सम्बन्ध में जो विश्वास उनमें निहित है, किया गया है जिसकी कोई सीमा नहीं है वे उनके प्रति जागरूक हैं, उनका उपदेश व उनसे बढ़कर उनका समर्पण व नैतिक निष्ठा से युक्त आचरण ज्यादा सार्थक एवं समीचीन है। इसी मान्यता पर महाविद्यालय में इनकी कार्यशैली के कुछ नियम भी प्रतिपादित हैं जिनका उल्लेख निम्नवत् है –

महाविद्यालय की शिक्षिकाओं का साप्ताहिक कार्य मात्र 18 घंटा अथवा 45 मिनट के वादन (पीरियड्स) की दशा में 24 वादन होगा । इसके अतिरिक्त परिसर में न्यूनतम 6 घंटे प्रति सप्ताह महाविद्यालय के प्रशासनिक एवं शिक्षणेत्तर कार्यों में प्राचार्या को योगदान देंगे और छात्राओं की कठिनाईयां दूर करेगे । प्राचार्या से भी 6 वादन प्रति सप्ताह अध्यापन कार्य की अपेक्षा की जाती है।

प्रत्येक अध्यापिका को 40 घंटे प्रति सप्ताह कार्य करना अपेक्षित हे जिसमें न्यूनतम 24 घंटे प्रति सप्ताह उसे परिसर में रहना शेष समय अध्यापन की तैयारी, शोध एवं कार्य में देना चाहिए। प्रत्येक सत्र में शैक्षिक कार्य के लिए न्यूनतम 210 दिन अवश्य होना चाहिए।

नोट :– उक्त न्यूनतम कार्य से अधिक कार्य की अपेक्षा प्रत्येक सम्मानित अध्यापिका से महाविद्यालय परिसर में रहकर करने की, महाविद्यालय प्रशासन की अपेक्षा एवं अनुरोध है अन्यथा कृत्य पर अधिकतम सीमा पर भी विचार किया जा सकता है, सम्मानित अध्यापिकाओं से यह अनुरोध है कि वह अध्यापन की तैयारी, शोध एवं छात्राओं की सहायता व मार्गदर्शन का कार्य कालेज परिसर में रह कर ही करें ।

कुलगीत

सुभग सुहावन सुरम्य पावन ।
ये प्यारा विद्या - भवन तपोभूमि ।।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की जली यहाँ थी चिंगारी,
गूँजती इस पावन धरा पर, सुहेलदेव की हुँकार निराली
बसी है सरयू के रम्य तट पर,
ब्रह्मा की यह राजधानी

सुभग सुहावन सुरम्य पावन ।
ये प्यारा विद्या - भवन तपोभूमि ।।

इंद्रधनुषी सपनों को सच कर दिखाए,
जीवन की बगिया को यह सुंदर बनाए,
ज्ञान की ज्योति से नित प्रखर बनाए,
यही है वो तपोभूमि जहाँ साधना करते थे अष्टावक्र वाल्मीकि

सुभग सुहावन सुरम्य पावन ।
ये प्यारा विद्या - भवन तपोभूमि ।।

आओ मिलकर अपना ये प्रण निभाएँ,
सर्वप्रथम इंसान को इंसान बनाएँ,
सर्वधर्म-समभाव की मशाल जलाएँ,
सृजन - मंदिर यह नित विकसित हो यही है शुभकामना हमारी

सुभग सुहावन सुरम्य पावन ।
ये प्यारा विद्या - भवन तपोभूमि ।।